زمانہ شاعر استاد داغ دھلوی نے
اس طرح خراج عقیدت پیش کیا
تھا :-
اردو ہے جس کا نام - ہمیں جانتے ہیں
داغ
سارے جہاں میں دھوم - ہماری زبان
کی ہے -

اسلئے میڈم میں حکومت ہند
سے ایوان بالا میں پرزور مطالبہ
کرتا ہوں کہ آنے والے سیشن میں
کجرال کمیٹی کی رپورٹ اور جعفری
کمیٹی کی سفارشات کو لاگو کرنے کا
قدم اٹھائیں تاکہ اس عظیم ہندوستانی
زبان کی ترقی اور بحالی کیلئے
کا سہرا خواب شرمندہ تعبیر ہو سکے -

آخر میں ایک شعر سے اپنی
بات تقریر ختم کرتا ہوں -

برگ حنا پہ لکھتا ہوں میں درد دل
کی بات
شاید رفتہ رفتہ لگے دل ربا کے ہاتھ -]

THANKS GIVING BY THE CHAIR.

उपसभापति : आज हमारा इस सैशन का आखिरी दिन है, बहुत रात हो गई है, मौलाना साहब ने तकरीर लंबी कर दी।

I would like to thank everybody.

सबको शुक्रिया अदा करती हूं। धन्यवाद कि सब लोगों ने इतनी देर तक बैठकर के और मंत्री जो आप भी यहां बैठ रहे। और हमारे पालियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर भी यहां बैठे रहे। इस सैशन में हमने बहुत काम किया।

श्री भुवनेश्वर कालिता (असम) : मैडम, मैम्बर्स लोगों को छोड़ दिया।

عزت مآب مصلتین نے بے خون
جگر سے سینچ کر ہرا بھرا رکھا -

اب سبھا پتی : اور بیدی صاحب
کا بھی نام لیجئے -

مولانا عبیداللہ خان اعظمی :
اور ڈاکٹر اقبال کا ترانہ ہلتی اسی
اردو زبان کا مرہون منت ہے ،
جسکے ذریعے ہم ہندوستان کی
عظمت کا اظہار کرتے ہوئے اپنا سر
فخر سے اونچا کرتے ہیں -
سارے جہاں سے اچھا ہندوستاں ہمارا
ہم بلبلیں ہیں اسکی یہ گلستاں ہمارا

میڈم یہ رس گھولتے ہوئے الفاظ
اور کھنکتے ہوئے لہجہ ن کی زبان
ہے - جسے ہمارے پہلے وزیر اعظم
پنڈت جواہر لال نہرو نے اپنی
مادری زبان کہنے پر فخر کیا تھا -
یہ وہی زبان ہے جسکے استعمال سے
مادر وطن کے عظیم سپوت مولانا
ابوالکلام آزاد کے زبان و قلم کی جلبھی
دشمنان ہندوستان کے نشیمن پر
برق تپاں بن کر گرتی تھی - اور
ملک دشمن بد نصیبوں کی سازشوں
کا نشیمن مولانا آزاد کی زبان
بیان جلاکر راکھ اور خاک کر دیتی
تھی - آج وہی محسن ملک و
ملت زبان ماہر ہند کے فرزندوں سے
اپنی تابندگی اور درستندگی کا سوال
کر رہی ہے- اس زبان کی ہمہ گیری
اور افادیت کو اسی دہلی کے مشہور

उपसभापति : मैम्बर्स का तो पहले कह दिया कि आप लोग सुनते रहें-मंत्री जी बोलते तो सुनता कौन। आप लोग भी बैठे रहे इतनी रात तक और सबने जो सहयोग दिया, मदद करी, उसका बहुत-बहुत शुक्रिया। हमारी टेबल के लोग, जो यहां बैठते हैं, वाच एंड वार्ड के लोग, जो लोग बाहर रहते हैं और दूसरे जो लोग राज्य सभा के काम करते हैं, जो प्रैस के रिपोर्टर्स इतनी रात तक बैठे हैं, सबका बहुत-बहुत शुक्रिया।

मैं उम्मीद करती हूं कि आपका यह इंटर सैशन अच्छा रहेगा और आप लोग अच्छी हंसी-खुशी के साथ इस हाऊस में वापिस आयेंगे और हम लोग अच्छा कंट्रीब्यूशन करेंगे।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Madam, Deputy Chairman, you thanked everybody So, I thought that I must thank you for your very very sweet manner in which you were able to conduct the House. In spite of trials and tribulations and conflicts, you were able to run the House very well. We enjoyed your presence. Please convey our thanks to Chairman also for his guidance and everything else.

I endorse everything that you have said about other Members. I much thank the Opposition Members sitting on the other side and also the colleagues on this side. Though some attempts were made from that side to see that there are two divisions here, we are all absolutely united.

I always make it a point to compliment more the Members who sit there, and they are the people who really sit late with us to see that the business is concluded properly. I thank everbody who sat late today, especially those who are sitting at this moment.

Thank you very much.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, we thank everybody who has been present.

श्री शंकर दयाल सिंह : मैडम, विरोधी दल के नेता अभी हमारे बीच नहीं बैठे हैं, लेकिन जनता दल के उप नेता की हैसियत से मैं अपना यह कर्त्तव्य समझता हूं कि राष्ट्रीय मोर्चा की ओर से और जनता दल, जो मुख्य विपक्षी दल है, उसकी ओर से मैं आपका, सरकार का और जितने भी प्रैस के, हमारे टेबल के लोग हैं, उनका धन्यवाद दूं, उनके प्रति आभार व्यक्त करूं।

इस सत्र में बहुत उतार-चढ़ाव हुये। हमने नई सरकार देखी और नये प्रधान मंत्री को देखा। हमने अपने बीच के ही एक साथी को गृह मंत्री के रूप में देखा। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि इस सदन की जो एक बड़ी परम्परा रही है पूर्व में कि हमने ही देश के अधिकांश वित्त मंत्री दिये हैं, तो मैं समझता हूं कि अभी जो वित्त मंत्री हैं, जो अभी किसी सदन में नहीं हैं, वे भी इसी सदन के साथी होंगे।

मैडम, इसके साथ ही एक बात, जैसे कि हमारे मित्र जैकब साहब ने कहा है, कहना अपना कर्त्तव्य समझता हूं कि जिस आंधी, तूफान और शोर-शराबे के बीच आपने इस सदन को चलाया है, उसके लिये हम सभी आपके प्रति विशेष रूप से आभारी हैं। मैडम, इसके साथ ही एक बात जैसा कि हमारे मित्र जैकब साहब ने कही है, यह कहना अपना कर्त्तव्य समझता हूं कि जिस आंधी-तूफान और शोर-शराबे के बीच आपने इस सदन को चलाया है, उसके लिये हम सभी आपके प्रति विशेष रूप से आभारी हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू जी बराबर कहा करते थे कि जनतंत्र का

सबसे बड़ा पाया विपक्ष होता है। विपक्षी दल की हैसियत से राष्ट्रीय मोर्चा और जनता दल ने और हमारे सहयोगी साथियों ने जहां तक हमसे बना सदन की कार्यवाही चलाने में हमने भरपूर मदद की, संभव है कि कहीं कुछ हमसे गलतियां हुई हैं। आपको मैं केवल चेयर पर्सन की हैसियत से, डिप्टीचेयर मैन से की हैसियत नहीं जानता बल्कि हूं, मैं जब आपको देखता हूं तो ऐसा लगता है कि एक टीचर, एक अध्यापिका एक प्राफेसर के रूप में भी आप बराबर हमारे बीच में रहती हैं। तो कहीं कोई अगर गलती हुई हो तो मैं विपक्ष के सभी साथियों की ओर से इसके लिये हम आपसे माफी मांगेंगे और यह जरूर चाहेंगे कि जो अगला सत्र हो वह इस सदन की गरिमा के अनुकूल हो, क्योंकि हम जो यहां बैठे हैं, हमारे ऊपर सबसे बड़ी जवाबदेही है जनतंत्र की रक्षा करने की, संविधान की मर्यादा रखने की और इस सदन की गरिमा को बरकरार रखने की। हम लोगों से कुछ गलितयां हुई हों, उसके लिये क्षमा मांगते हुये इतना ही मैं कहना चाहूंगा अपने साथियों के लब्ज में :

"हम हैं गुनहगार मंजूर मगर मेरे खुदा,
तू भी तो शामिल था हर खता में गुनहगार के साथ।"

कुछ नोकझोंक हुई, लेकिन जिन्दादिली भी हमारी रही। हम फिर एक बार आपको इसके लिये बहुत-बहुत मुबारक देते हैं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I thank everybody for the cooperation. We hope you will all come back happy and will make a very nice contribution in the House. With all my best wishes, I adjourn the House *sine die*.

The House then adjourned *sine die* at seventeen minutes past ten of the clock.